

१ॐ नमः शीव ऊस स्वा यः ॥ ॐ ॥ सफा हाय विधि मां ह ॥
अयत्त धूत तव ॥ ० ॥ सूर्या यः युनू या दा यः ॥ यजा रुत्ति
जाययके ॥ युनू स सुले म न क द यु निः क धी यू जाः
अग्नि सुयत्त धूत तवः का क व निः क ख का नि यः ॥ थ
न हाना नि ॥ ध नि वः अ सि धि नः क सि सः स नि व
कः अ सि रः स ना व यः ॥ स नि व द व नः क स स्वा ना

क या व य अ म क न ति नः स ना या न नः क थ न ख हा
य कः ध का या व गि ज न यो ना स रः य अ ग य न ति नः
शं ख नं ख न स रः ध न निः अ सि थ य न या वः का
न न ति या य ॥ य काः य काः अ क कः का यः इ वी क य
थ रं का स्यः क्वा य रु ना ॥ थ न जा य म क ॥ ॐ क रु या
द रु न रु ह ट ॥ क्वा य ॥ ॐ स व या य दि ॥ अ ध न रु ह ट ॥

काय॥ ॐ सर्वे कर्मा वन नानि रु सिद्ध नू इ हट॥ ॐ
विनया वन नानि इ हट॥ ॐ हं विष्णु धर्मा वन नानि
इ हट॥ ॐ कल रध क र ह न र सा वन नानि इ हट॥
काय॥ ॐ कं सन रय सन र सा वन नानि इ हट॥ काय॥
ॐ इं ह नो सवी व नानि इ हट॥ काय॥ ॐ इं हट सवी
वन नानि इ हट य इ हट॥ काय॥ ॐ ह न सवी व न

नानि इ हट॥ काय॥ ॐ श क र सवी वन नानि इ हट॥
काय॥ ॐ वि न्द र सवी वन नानि इ हट॥ काय॥ ॐ इ ह र
सवी वन नानि इ हट॥ काय॥ ॐ य व र सवी य क म कि हं
इ हट॥ काय॥ ॐ मे थ र रि थ क म कि हं रु न इ हट॥
थु कि गा न न या य धू न ठा व स न॥ स जा का थं स न॥

धून हावः अस्मिन्निवसकं ॥ त्वय न आहायनः यत्न
लेकस्यः अस्मिन्निवसकं ॥ यत्न न आहायनः ॥ यत्न यायः वरुः
सिधनः जजमः स्नानः नैवयः धुंः मरुः सुकि ॥ वि
इरु सर्वसंकल्पः अन्नात्ताव विवक्तिरुः अन्नात्ताव
नमस्यामिः सुद्वयकिरु निर्मल ॥ यत्न अस्मिन्निवसकः

आइकिविय ॥ कथमप्यकिरुः यत्न धून हावः
कथं यत्न यायः दवका इकिविय ॥ ॥ यत्न यत्न
स्नानाय ॥ दशुनिवविदिय ॥ स्नान कर्तः सुद्वययत्न ॥
दंतदक्ष ॥ कथमप्यत्न ॥ कथं नैव हाय ॥ अस्मि
स ॥ यात्नवा सत्तकावः अस्मिः यदि स्यात्तवियः

उ संवाङ्गि सुमान ॥

वहिवि हान सुक्त ॥ नय कन द्याय ॥ तिन न किय मानः
नाम चीय ॥ षादि स ॥ दं १ द क न्म (न स ना व श १ अ सि
नय धा स वि स द्या य ॥ थ कि अ सि य कि अ वि वि ॥ ००
कि स का हा य ॥ अ सि य कि सा द कि हा न कि या स
मा क ॥ ०० ॥ ०० ॥ स का हा ऊ ऊ या रु द य क वि

वि वि ॥ ०० ॥ अ य न क क उ ज दि बं ग क का क न ३५
का क य निः क ख जा वि य ॥ इ ना न व क या रु र य का म
उ १ अ न या म्ब उ १ स ना व या १ म्ब न या म्ब उ १ स नि व
म्ब उ १ उ य क ग द्याः य क्म म्ब ॥ म्ब उ १ सि ज वा नाः म्ब
कं स लै खा नाः य क न ल श १ ल य न डा हा य न श १ दि

रुद्रः १ होमसि ३ गकाः सिमरु प्या रु १ धूंः वरुः सि
धनः स्वानः दक्षिण केः वृहदय केः होमः मारुः
मासः युवाः स्वानवार रुद्रोः धन अस्मा १४ नका
यकाः अक्षरुः काय ॥ स्वदिक् १ अस्मिन्नासनः नक
सङ्कयनिष्क्रानिवियधुनहावः यावन्नरुना ॥ ६० ॥ ७२१

१ यक्षकिर्धिकायविधि ॥ अत्र या ग्वरुगः यक्षवृहिः
शुभत्रयनडाहायनः शुभयक्षनत्रः के ग्वरुः व
रुः सिधनः स्वानः अक्षमः ध्यासः धृतिदयकवि
धि ॥ नकससमस्वानसरुसमत्रदयक ॥ अस्मिन्नासन
सक ॥ युजायाय ॥ धुनहाव ॥ धनअत्रया ग्वरुडाग

स्थायनवाय॥ यच्छृङ्गः। लूयनं डा हा यनं कय॥ य
 कन लूकः डा शं क॥ अस्ति कं डा था न सं कः यच्छृङ्ग
 मरु ख डा व यू जा या य॥ वरुः सिधनरे क रु मः स्था न
 वा य यच्छृङ्ग था मरु या॥ यच्छृङ्ग हा न यू जा॥ सु नि॥
 रु मा य नः वि स रु न॥ य न यच्छृङ्ग कि र्थ क्का य॥ न वा रु या
 वि ड कं स र्व स र्व स क ल्यः स वा ला व वि व डि कंः म क सि ह
 न म स्था मि॥ शु क य कि नि नि र्व॥ ॥ २

अस्ति मं र्व मा रु क्का य॥ द हि न रु याः क वं डा रु क्का य॥
 वा म वा रु या य न सं र्व क्का य॥ ॥ द हि न क र्व न यो हा
 क्का य॥ वा म क र्व क रु हा क्का य॥ ॥ यच्छृङ्ग था न क्का य
 वि थि स मा य॥ ॥ शु र॥ ॥ स म र्व ॥ ॥ ५५ व र्ग शु क
 स र्व वा र्था क रु वा य ध न का रु ना॥ शु र॥

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
न क स न रान गा व था स व थि न कः अ क या सः सूर्य
विष्णु वीर्य ॥ जा कि यो वा न १२ क यः न क च ड न मः
न क य क्ष य वीरः न क य यः कृ त्तु न धू यः सा इ इ
पा न १ य क्ष म ना दि ॥ इ ल ह नः न व न श १२ गा

यः अ क रः या कि जा कि स वि नः म्य य ग्ग नः
म र थ कि गा न वा च कं ॥ सूर्य सः अ न द सा य ॥ थ न
गु न मं लु ल ॥ लं ख व नि वि य कं ॥ ॥ वि स क न या च कः
थ न स्या न स हा न थ कि न कं ॥ ॥ स म त्या ह नं लु मा व
दी अ म या दि अ म मि ना ३ ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमः ॥

सूक्तं ॥ उवाक सुमसंकासं कासकं आ महाद्रुमं मे नि
सर्वेषां रुचनेषु समाभिदिवा कर्तुं ॥ ॥ ध्यान ॥ स
कासा नथमा नृदं स्यान्ननास्तु न्धसस्त्रिणं च कास्य
यमना रगवः न कात्मनि रुचिर्न न कयश्च क
नां रुचिः कासाद्या कदिग नृवः स गनं सास

नसा मः सर्किंच स मं शुलं यादि स्थ सी दृ सं ध्यात्वा
युज्यं रुकि मानसा अद्यादि पूर्व कं रुत्वा य
दी कुरु न स्वर्ग ॥ ॥ धन अर्थ याच क ॥ अद्यादि x
धन मा रु व न आ दि थायः कास्थ य युजाय अ
वि स्थ ग ई सं रु नाय ॥ अनून स ही नाय अमि रु
ना

कलदं व कायः कसं संदसाय ॥ न क वानः न क
 पृथ गं न्य य ह्यय वी नायः रु नं गं न मा नू रायः द
 व दानव कं म्हा छ कि न्य न नः सदि कायः अ व ग न
 र रु ग वान म नू य्या नादि ना थयः ॐ रु यं मं छु ल
 म ध नू नू य वि थः ॐ दं नू क रु ग न्य पृ थ धू य दी था
 रु

य हा न व नि क दौ ल्यो य कि नू क का न मा मु क ॥ य स्य
 किय नं न स्य यी कि ना रु ग क ना रु ग वान ना कि य
 थि क नू उं थि दी वा क न वा च ना यः स रु ग मी नी
 स्वा मी स स य स नी व रु नि सि कि र्थः श्री स र्या य अ
 थ य कि नू स्वा हा ॥ ॥ अ रु धि क वि य ॥ अ न स

स्वा न विद्य ॥ ॥ धनसुखं या न या दार्थं या चक ॥
धन स्वा न वाय क ॥ ॐ दि वा क न वा च नाय व ऊ
यू यं य नि च्छ स्वा हा ॥ ॐ आ दि था य स्वा हा ॥ ॐ स
या य स्वा हा ॥ दधु म ॥ ॐ नृ कं न्दा य न म ४ स्वा हा ॥
ॐ आ नि ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ शं का ण य न म ४ स्वा

हा ॥ ॐ ना हि ता ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ वा च य ठ य न
म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ रा स वा य न म ४ व ऊ यू यं य नि च्छ
स्वा हा ॥ ॥ वे नः सि ध नः ऊ ऊ म ॥ स्वा नः नै व यः
धू यः स्वा न १२ म न वि य ॥ दे व द कि ण द १२ य ध
मा ४ ॥ धू नि धू न का व ख क न ॥ ० ॥ ॐ गु न व र्क

युद्ध धर्म युद्ध संघ च मा सुभे ॥ • ॥ हे युद्ध जथात्
आदेशि न आह्ला कना मं हे ॥ ॥ कुर्या वृद्ध धर्म सं
घया के सन नया दाव युद्ध या के पाथ ना या दावः हे
युद्ध गच्छेथाया विधि रुन आह्ला दय क विद्या मा
न ॥ युद्धी वाच ॥ मम संसु हा मि नी स्वामि संसु

मम ददय उत्पन्ना रुवति ॥ ॥ हे युद्ध जथात्
मिनी मि सा ऊन गन सं स्वामि व संसु याय हा न या
कन या न स्य न आह्ला द के विद्या य मा न ॥ युद्ध वाच ॥
मह गामि नी रुन धर्मः रुका हाव क विष्य कि
सर्व धर्म क विष्य सि ॥ वना नां वर उरु सं ॥ • ॥

॥ सः रुग्णमिनी ॥ धवस्वामि वसंसुवनधव
 ससन वं व्याया वी वः समरु धर्म कर्म कर्मया
 कथा रुग्णसः धव रुग्णमिनी वनथिं न व धं पुन्य
 वनेम इ ॥ ॥ रुग्ण धर्म इ नं या फः नव कादि
 विना सनः पु व ग मं स फ पु व वा स्थाः सु स्वा व ती

गमनं न संसय ॥ ५ ॥ ध्या धर्मयारुनः कृयाया
 ज्ञा ज्ञिमा मवद कस्य न स्वद को नी कृमी पुन्य
 यां न न कस्य न सं उद्धा न कृयवः स्वर्गत्वं व निव
 सह गमिनी उा दानं ॥ ५ ॥ ए न यु न वाच ॥ कृ
 वा मृच न कृयः नो ग वा मृच न नृजः वि या धि

^{३ नरु} नरु क वि आः व मि ग्म रु म वा पु या रु ॥ ^{क ३} सो सु रु
 ग मी नी ॥ ५५ ॥ रु न्वः ना ना ना ग रु रु आ दि न ना
 ग मू मा न का व स दा नि र्म न स वि य मा ध रु व्या या
 रु साः वि श्या आ दि स म रु ना च ध क रु रु रु साः रु न्व
 का य ग वा व स आ दि ध न ड यः य गु आ दिः व रुः
 या २

रु न्व सं सा न द का स्य नः स्य य रु २ य या का व जि वा न
 द य सा ध क रु रु व्या या रु सा यु नि म न नं रु रु रु
 रु व स्य ना यि व ॥ ५६ ॥ ध न न व य रु या रु सा न वा
 य ॥ यं वा य दान ॥ रु नि X ॥ स्य सो म X ॥ ५७ ॥ य न
 रु नू ॥ रु रु ग मी रु न ध म्यः अ नू व रु नि रु रु

नः स्वामि रुवि नाकः ॥ गृहायिरुवने मया ॥ ॥
 सरुग्ममीनाउने चिं डय ना न्धर्म चूने मद्रः ॥
 यदयदञ्जयमेधरुलया प्राणि ॥ यदेरकोटिदा
 नाहलं प्राणि ॥ ॥ स्तानकने ॥ दक्षिणः दन
 रुदर ॥ ॥ उरुजाः दक्षिणा ॥ रुमायन ॥ विसर्ज

[illegible]

[illegible]

2.632 I

五五五：同五五五

የጊዜ ምዕራባዊነት

॥ ॥ एहं ब्रह्म विष्णु महेश्वरः

11 0 11 113242H : 532H4242 : 12124242 : 12124242

[illegible][illegible]

॥ ७ ॥ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ ॥ ह्रीं क्लीं धूम्रः । त्रिभुवनैः । इत्येवमुक्त्वा ।

॥ ॐ ॥ मन्त्रः । विष्णवे नमः ।

॥ ५ ॥ मन्त्रः प्रोक्तः शिवः शिवः शिवः शिवः

॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

15
16
17
18
19
20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥

卷之四

[illegible][illegible]

[illegible]

25

[illegible]

元